भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या573

जिसका उत्तर 06 दिसंबर,2023 को दिया जाना है।

15 अग्रहायण, 1945 (शक)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जानकारी

573. श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री दिलीप शइकिया:
श्री अरुण साव:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
श्री रणजितसिंह नाईक निबांलकर:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी औरसूचना प्रौद्योगिकी मंत्रीयह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भावी कार्यबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में ज्ञान से समृद्ध है जो देश के विकास के लिए अनिवार्य है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आबंटित, जारी और उपयोग की गई निधियों का वर्ष और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश के युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्ञान प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) और (ग):कृत्रिम बुद्धिमत्ता हाल के दिनों में सबसे बड़ा आविष्कार है और सरकार को उम्मीद है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल और नवाचार अर्थव्यवस्था का गतिशील प्रवर्तक होगी। सरकार चाहती है कि एआई हमारे सभी डिजिटल नागरिकों के लिए सुरक्षा और विश्वास के साथ उपलब्ध हो और एआई के नकारात्मक उपयोग से बचा जा सके। सरकार का मिशन शासन-प्रणाली, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, भाषा अनुवाद आदि में वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों हेतु एआई की क्षमता का उपयोग करना है ताकि एआई को नागरिकों और समुदायों के लिए लाभप्रद बनाया जा सके। इंडियाएआई के लिए विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा बनाई गई एक रिपोर्ट तैयार की गई है। रिपोर्ट की प्रति एमईआईटीवाईकी वेबसाइट पर उपलब्ध है।
इंडियाएआई पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करने और एआई अवसरों से देश के युवाओं को जोड़ने हेतु सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहल इस प्रकार हैं:

- कौशल और वैश्विक प्रतिभा हमारी सरकार के कृत्रिम बुद्धिमत्ता लक्ष्यों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और एमईआईटीवाई ने10 नई / उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार हेतु आईटी जनशक्ति की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए एक कार्यक्रम 'फ्यूचरस्किल्स प्राइम'शुरू किया है। इनमें एआई , ब्लॉकचेन ,रोबोटिक्स ,बिग डेटा और एनालिटिक्स ,आईओटी ,वर्चुअल रियलिटी ,साइबर सुरक्षा ,

क्लाउड कंप्यूटिंग ,3डी प्रिंटिंग और वेब 3.0 शामिल हैं। अब तक कुल 1,77,170 अभ्यर्थियों ने विभिन्न एआई-संबंधित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत किया है, जिनमें से 82,912 अभ्यर्थियों ने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।साथ ही ,कार्यक्रम में भाग लेने वाले सी-डैक और नाइलिट के चयनित केंद्रों ने अब तक 1,236 सरकारी अधिकारियों और 292प्रशिक्षकों को एआई प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित किया है।

- सरकार ने एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) और आईटी/आईटी सक्षम सेवाओं (आईटी/आईटीईएस) क्षेत्रों में पीएचडी की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से 'विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना' शुरू की है।
- सरकार ने 30जुलाई ,2022 को रिस्पॉन्सिबल एआई फॉर यूथ 2022लॉन्च किया है। कार्यक्रम को अखिल भारतीय आधार पर सरकारी स्कूलों के छात्रों तक पहुंचने और उन्हें समावेशी तरीके से कुशल कार्यबल का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। कार्यक्रम ने 35 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 52,628 छात्रों को प्रभावित किया ,जिससे युवाओं को आवश्यक एआई कौशल के साथ सशक्त बनाया गया ,जिनके पास नवीनतम प्रौद्योगिकियों और संसाधनों तक सीमित या कोई पहुंच नहीं थी।
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 'युवएआई: यूथ फॉर उन्नति एंड विकास विद एआई' लॉन्च किया है - स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम जिसका उद्देश्य 8वीं से 12वीं कक्षा तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल से सक्षम बनाना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयगत क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी और विधि एवं न्याय में एआई कौशल सीखने और लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

(ख): इंडियाएआई इकोसिस्टम के विस्तार के लिए सरकार द्वारा की गई पहल पूरे देश के लिए है। इसके अलावा, उपर्युक्त पहल केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा अपनी कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है,और निधि किसी भी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को आबंटित नहीं की जाती है। रिस्पॉन्सिबल एआई फॉर यूथ कार्यक्रम को उद्योग भागीदार के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है और सरकार की ओर से कोई आर्थिक सहयोग नहीं दिया जाता है। इन पहलों के अंतर्गत आबंटित और जारी की गई निधि का विवरण संलग्नअनुबंध 1 में है।

*****

अनुबंध 1

आबंटित एवं जारी धनराशि का विवरण:

कार्यक्रम /योजना का नाम	आबंटितधनराशि	वित्तीय वर्ष 2019-20 में जारी की गई धनराशि	वित्तीय वर्ष 2020-21 में जारी धनराशि	वित्तीय वर्ष 2021-22 में जारी धनराशि	वित्तीय वर्ष 2022-23 में जारी धनराशि	वित्तीय वर्ष 2023-24 में जारी की गई धनराशि	कुल उपयोग
फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम	रु. 436.87 करोड़	रु. 43.36 करोड़.	रु. 80.0 करोड़.	रु. 26.59 करोड़.		0	रु. 131.29 करोड़.
विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना	चरण-I: रु. 466 करोड़	0	0	0	रु. 3.16 करोड़.	रु. 6.84 करोड़.	रु. 10.0 करोड़.
	चरण- II: रु. 481.93 करोड़.	0	0	0	रु. 1.06 करोड़.	रु. 3.16 करोड़.	रु. 4.22 करोड़.
एआई4आईसीपीएस फाउंडेशन, आईआईटीखड़गपुर	रु. 170 करोड़	रु. 5.45 करोड़.	रु. 15.0 करोड़.	0	0	0	रु. 1.13 करोड़.

*****